3/11/21

एक फूल की चाह

(1) एक फूल की चाह पाठ का सारांश अपने भाषा में लिखिए-

प्रस्तुत पाठ 'एक फूल की चाह' अछूत की समस्या से संबंधित कविता है। महामारी के दौरान एक अछूत बालिका उसकी चपेट में आ जाती है। वह अपने जीवन की अंतिम साँसे ले रही है। वह अपने माता-पिता से कहती है कि वे उसे देवी के प्रसाद का एक फूल लाकर दें। पिता असमंजस में है कि वह मंदिर में कैसे जाए। मंदिर के पूजारी उसे अछूत समझते हैं और मंदिर में प्रवेश के योग्य नहीं समझते। फिर भी बच्ची का पिता अपनी बच्ची की अंतिम इच्छा पूरी करने के लिए मंदिर में जाता है वह दीप और पुष्प अर्पित करता है और फूल लेकर लौटने लगता है। बच्चों के पास जाने की जल्दी में वह पुजारी से प्रसाद लेना भूल जाता है। इससे लोग उसे पहचान जाते हैं। वे उस पर आरोप लगाते हैं कि उसने वर्षों से बनाई हुई मंदिर की पवित्रता नष्ट कर दी। वह कहता है कि उनकी देवी की महिमा के सामने उनका कलुष कुछ भी नहीं है। परंतु मंदिर के पूजारी तथा अन्य लोग उसे थप्पड़-मुक्कों से पीट-पीटकर बाहर कर देते हैं। इसी मार-पीट में देवी का फूल भी उसके हाथों से छूट जाता है। भक्तजन उसे न्यायलय भी ले जाते हैं, सात दिन की सजा सुनाया भी जाता है। सात दिन के बाद वह जब बाहर आता है, तब उसे अपनी बेटी की जगह उसकी राख मिलती है। इस प्रकार वह अपनी बेटी की आखरि इच्छा भी पूरी नहीं कर पाया। यह मानवता के प्रति अपराध और ऐसा व्यवहार मानव-जाति पर कलंक है।